17	द्र्यायः पश्यद्दीर्घद्श्यंसा ॥ ३८८ ॥ जिल्ला	
18	क्रयालुः सक्रियश्चिद्रपो ऽ-	
19	प्यथ संस्कृते। जानि जेगाना	
20	व्युत्पनप्रकृतनुसा। क्रिक्त सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः	
21	म्रतर्वाणिस्तु शास्त्रविद् ॥ ३८५ ॥ ।।	
22	वागीशा वाक्यताग्रह महाहो ।	
23	वाग्मी वाचोषुत्तिपरुः प्रवाक्ताल केटा	
24	समुखो वावद्रको॥ मिलाना ज्ञानिक गामिल	
	मिन्निविध्य वदी वक्ता वदावदः ॥ ३४६॥ तनिव्य वि	
26	स्याज्ञल्पाकस्तु वाचाला वाचारा बङ्गक्रवाक् ।	
27	यद्दो प्रनुत्तरा -मनावाद्यां कार्या	
28	डवीक्रहरे स्या-।	8
29	॥ ६८६ ॥ जिल्ला अधिक स्थाधरः ॥ ३८७ ॥ निर्मान	
30	क्रीनवादि- एम जनाविद्यविद्यानिक पुरुष - जीवनाकु	
31	न्येडमूकानेडमूका ववाकश्रुता।	5.3
32	र्वणः शब्दनस्तुल्यानवामनाम मकाम्य क्रिकारि	
33	कुवादकुचरा समा ॥ ३४६ ॥ गणान	
	लोव्लो अस्पुरवा- विकास विता विकास वि	西京
	7. Weitsichtig. — 18. Mit Einsicht begabt (3 W.). — 19. rrichtet (4 W.) — 21. Mit den Wissenschaften vertraut. —	
	ezeichneter Redner (2 W.). — 23. 24. Beredt (5 W.). — 25. I	
Rede	mächtig (3 W.). — 26. Geschwätzig (4 W.). — 27. Ungerei	m-
tes redend (2 W.). — 28. Schlechtes redend (2 W.). — 29. 30. Der Rede nicht mächtig (2 W.). — 31. Taubstumm (3 W.). — 32.		
	rlaut redend (2 W.) 33. Uebel nachredend (2 W.)	-
	eutlich redend (2 W.). eistesgesteise JiM all all (W 2) gin	